

2022
HINDI (Hons)
B.A. Third Semester End Examination - 2022
PAPER - C5T
(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own
words as far as practicable.*

Illustrate the answers wherever necessary.

क) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 10 = 20$

- (i) 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष एवं उसके संपादक का नाम बताइए।
- (ii) 'दूसरा' सप्तक के दो कवियों के नाम बताइए।
- (iii) केदारनाथ अग्रवाल के दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।
- (iv) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या था?
- (v) दिनकर को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार और कब मिला था?

(Turn Over)

(2)

- (vi) अङ्गेय का पूरा नाम एवं उनकी एक काव्यकृति का नाम बताइए।
- (vii) 'खुँटियों पर टंगे लोग' किनकी काव्यकृति है? इस कृति को कौन-सा पुरस्कार मिला था?
- (viii) गिरिजा कुमार माथुर के दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।
- (ix) 'शासन की बंदूक' किनकी कविता है? 'बंदूक' किसका प्रतीक है?
- (x) 'कुरुक्षेत्र' किस प्रकार का काव्य है? इसमें कितने सर्ग हैं?
- (xi) प्रगतिवाद का आरंभ कब से माना जाता है? प्रगतिवाद का अंत कब से माना जाता है?
- (xii) 'पंद्रह अगस्त' कविता का प्रतिपाद्य संक्षेप में लिखिए।
- (xiii) 'नयी कविता' नाम के जनक कौन हैं? 'नयी कविता' के संपादक कौन थे?
- (xiv) अङ्गेय किस दर्शन से प्रभावित थे? प्रयोगवाद का जीवन-दर्शन किससे प्रभावित है?
- ख) किन्हीं चार काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $5 \times 4 = 20$
- (i) धीरे से पाँव धरा धरती पर किरनों ने
मिट्टी पर दौड़ गया लाल रंग तलुओं का

(3)

- छोटा-सा गाँव हुआ केसर की क्यारी-सा
कच्चे घर डुब गये कंचन के पानी में।
- (ii) छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है।
- (iii) अहंकार के साथ घृणा का
जहाँ दृढ़ हो जारी,
ऊपर शांति तलातल में
हो छिटक रही चिनगारी।
- (iv) यह दीप अकेला स्नेह-भरा
है गर्व भरा मदमाता, फिर
इसको भी पंक्ति को दे दो।
- (v) लीक पर वे चले जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं
हमें तो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पंथ यारे हैं।

- (vi) तुम्हारे साथ सहकर
 अक्सर मुझे लगा है
 कि हम असमर्थताओं से नहीं
 संभावनाओं से धिरे हैं।
- (vii) अत्याचार सहन करने का
 कुफल यही होता है,
 पौरुष का आतंक मनुज
 कोमल होकर खोता है।
- ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 2 = 20$
- (i) ‘कुरुक्षेत्र’ के तृतीय सर्ग की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
 - (ii) प्रगतिवादी कविता के प्रतिनिधि कवि के रूप में नागार्जुन की पठित कविताओं का मुल्यांकन कीजिए।
 - (iii) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में व्यक्त सौदर्यबोध और प्रकृति चित्रण पर विचार कीजिए।
 - (iv) ‘यह दीप अकेला’ कविता का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।